आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 26.07.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

- उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने छब्बीसवें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कहा–यह दिवस हमारे वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि है।
- दक्षिण अंडमान उप–शिक्षा कार्यालय की ओर से स्कूली छात्राओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रस्सी कूदने का प्रदर्शन आयोजित किया गया।
- दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन की ओर से स्वराज द्वीप में आज विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जाएगा।
- पर्यटन विभाग की ओर से आज से कार्बाइंस कोव तट पर मानसून पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

द्वीपों के उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने छब्बीसवें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, द्वीपवासियों को शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे वीर सैनिकों के असाधारण साहस, अटूट दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि है। उनकी चिरस्थायी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल हमारे सैन्य इतिहास के एक गौरवशाली अध्याय का स्मरण कराती है, बल्कि "सर्वोपरि राष्ट्र" की भावना की भी पुष्टि करती है जो हमारे सशस्त्र बलों को परिभाषित करती है। उन्होंने द्वीपवासियों से आग्रह किया है कि वे हमारे वीर नायकों की अनुकरणीय सेवा और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करें और राष्ट्र निर्माण, एकता और शांति के लिए स्वयं को समर्पित करके उनकी स्मृति का सम्मान करें।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान उप–शिक्षा कार्यालय की ओर से स्कूली छात्राओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के संबंध में मरीना पार्क रोड पर रस्सी कूदने का प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न स्कूलों के आठ सौ पचास से अधिक छात्र–छात्राओं सहित विशेष आवश्यकता वाले छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य श्री विजयपुरम मुख्यालय क्षेत्र की छात्राओं को सशक्त बनाना और खेलों के माध्यम से उनकी क्षमता को उजागर करना था। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक सिंधु पिल्लई भी उपस्थित रही। उन्होंने लड़कियों को खेलकूद और

अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस और शिक्षा विभाग की ओर से भविष्य में छात्राओं के लिए एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगा। इस कार्यक्रम में द्वीपसमूह की तीन प्रतिष्ठित महिला एथलीटों, को सम्मानित किया गया।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन की ओर से कल उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में नशा मुक्त भारत अभियान समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूरे ज़िले में नशा मुक्त भारत अभियान के कार्यान्वयन को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान स्कूलों और कॉलेजों में युवा क्लबों का गठन, दक्षिण अंडमान के विभिन्न छात्रावासों में छात्रावास समितियों की स्थापना और समाज में इस समस्या की सीमा और प्रभाव का आंकलन करने के लिए मादक द्रव्यों के सेवन पर एक सर्वेक्षण आयोजित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त ने आम जनता से मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने और एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा इस अभियान के तहत प्रदान की गई सहायता और सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। बैठक में जीबी पंत अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक, उप शिक्षा अधिकारी, नोडल अधिकारी (निषेध), चिकित्सा अधिकारी, आईआरसीए और समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

<><><><><><><>

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र दो हजार पच्चीस–छब्बीस के लिए शिक्षा में चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की अंतिम वरीयता सूची प्रकाशित कर दी गई है। मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए अंतरद्वीपीय जलयान सेवाओं को स्थगित किए जाने के कारण परामर्श सत्रों को पुनर्निर्धारित किया गया है। अब परामर्श चार और पांच अगस्त को आयोजित किए जाएंगे। कक्षाएं छः अगस्त से आरंभ होगी। पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी पात्र उम्मीदवारों से संशोधित तिथि और समय पर परामर्श में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन की ओर से स्वराज द्वीप में आज एक विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जाएगा। दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में दिन में ग्यारह बजे श्याम नगर–तीन

के सामुदायिक भवन में राजस्व शिविर न्यायालय आयोजित की जाएगी। यह शिविर प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के दाखिल व खारिज मामलों और भूमि उप–विभाजन मामलों से संबंधित सेवाओं पर केंद्रित होगा। आवेदकों से पहचान प्रमाण और अन्य आवश्यक कागजी कार्रवाई सहित पूर्ण भूमि दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला स्वास्थ्य सोसायटी स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, आई सी एम आर और श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के समन्वय से आभा निर्माण और आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड निर्माण सहित स्वास्थ्य जागरूकता–सह–स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन कर रहा है। इस सिलसिले में आज

प्रातरापुर सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया जाएगा। उनतीस जुलाई जंगलीघाट के खेतान कल्याण मंडपम, दो अगस्त हैडो के सामुदायिक भवन, चार अगस्त अटलांटा प्वाइंट, पांच अगस्त स्कूल लाईन और छः अगस्त को डेरीफार्म में शिविर आयोजित की जाएगी। इन शिविरों में फेफड़ों और सांस से संबंधित बीमारियों की जाँच की जाएगी। लोगों से सत्यापन के लिए अपना आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड साथ लाने को कहा गया है।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग की ओर से आज और कल कार्बाइंस कोव तट पर मानसून पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय के सहयोग से आज सुबह दस बजे से खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। महोत्सव में महिलाओं और पुरूषों के लिए बीच वॉलीबॉल टूर्नामेंट के साथ ही रस्साकशी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। रस्साकशी प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण आज सुबह नौ बजे तक की जा सकती है। प्रत्येक टीम में कम से कम दस सदस्य होने चाहिए। इस पहल का उद्देश्य द्वीपसमूह को एक प्रमुख समुद्र तटीय पर्यटन स्थल के रूप में उजागर करना है।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग की ओर से कल 'पशु कल्याण एवं नसबंदी के लिए साझेदारी' विषय पर एक कार्यशाला–सह–वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थाएँ एवं शहरी स्थानीय निकाय सचिव अर्जुन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग सचिव पल्लवी सरकार, नगरपालिका परिषद सचिव अजहरुद्दीन ज़हीरुद्दीन क़ाज़ी, ज़िला परिषद उपाध्यक्ष एस. भूमिनाथन और प्रातरापुर पंचायत समिति प्रमुख भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने पशु कल्याण में समुदाय–संचालित उत्तरदायित्व के महत्व पर बल देते हुए कहा कि जन स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए पशुओं के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है।" मुख्य अतिथि ने सत्र के दौरान पी ए डब्ल्यू एस पहल से संबंधित आई ई सी सामग्री और पोस्टर का विमोचन किया। विभाग की सचिव पल्लवी सरकार ने पर्यटकों की भीड़ वाले क्षेत्रों में पशुओं की सौ प्रतिशत नसबंदी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में डिगलीपुर, मायाबंदर, रंगत, हट बे, निकोबार, कामोर्टा और कैंपबेल बे सहित विभिन्न जिलों के पंचायती राज संस्थाओं, पशु चिकित्सा अधिकारियों और आदिवासी नेताओं ने आउटरीच केंद्रों के माध्यम से भाग लिया।

<><><><><><><>